हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 01 अंक–22 : जौनपुर, शनिवार 10 सितम्बर 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

दिवंगत विधायक के परिजनों से मिलकर दी सांत्वना : उनके सपनों को करेंगे पूरा –सीएम योगी

लखीमपुर खीरी ब्यूरो : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिवंगत विधायक अरविंद गिरि को श्रद्धांजलि देने गोला पहुंचे हैं। सीएम ने अरविंद गिरि के आवास पर उनके परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी। इस दौरान किसी भी विधायक को घर के अंदर प्रवेश की अनुमति नहीं मिली। दिवंगत विधायक के परिजनों ने बताया कि सीएम ने कहा कि विधायक के जो सपने अधूरे रह गए हैं उनको पूरा करेंगे और आश्वस्त किया है कि पूरे परिवार के साथ पार्टी खड़ी है। बता दें कि जिस दिन अरविंद गिरि का निधन हुआ था उसी दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधायक के छोटे भाई राजेश गिरि को फोन कर सांत्वना दी थी और शीघ्र गोला आने की बात कही थी। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर पब्लिक इंटर कॉलेज स्थित स्व. राजेंद्र गिरि स्टेडियम में उतरा। सीएम अरविंद गिरि के परिजनों से मुलाकात करने के बाद शिव

मंदिर भी जाएंगे। बता दें कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार को डीएम समेत पूरा प्रशासनिक अमला गोला में मौजूद रहकर तैयारियों में जुटा रहा। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन की तरफ से पूरी तैयारी की हैं।

मनीष श्रीवास्तव रुड़की के दूसरी बार अध्यक्ष मनोनीत : जौनपुर के रहने वाले है मनीष श्रीवास्तव

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती की रुड़की महानगर इकाई का पुणे अध्यक्ष मनोनीत होने पर प्रांतीय नेतृत्व का कोटि–कोटि सहृदय आभार व्यक्त किया एवं मनीष श्रीवास्तव ने मीडिया को बताया संगठन के विस्तार के लिए कार्यकारिणी कुछ नए सदस्यों को शामिल किया गया जिसमें उपाध्यक्ष सुशील रावत जी एवं ज्ञानेंद्र शर्मा जी सह मंत्री श्रीमती पूजा नंदा सोशल मीडिया प्रभारी आशीष सैनी शेष कार्यकारिणी पूर्ववत सभी नवीन दायित्व धारियों तथा पूर्व कार्यकारिणी से यथावत दायित्व संभाल रहे एक बार फिर हम सभी कार्यकर्ता बंधु मिलकर नई ऊर्जा के साथ केंद्र व प्रांत के निर्देशानुसार कला एवं साहित्य के माध्यम से समाज व राष्ट्र की सेवा हेतु समर्पित है ऐसी ईश्वर से प्रार्थना करते है। श्री श्रीवास्तव ने अपने अग्रज डॉक्टर राजकुमार डॉ अशोक शर्मा क्रांतिकारी के पी सिंह , प्रवीण, समय डॉक्टर अर्जुन जी

डॉक्टर संजय नाथ नागेंद्र जी विशेष सहृदय आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद किया और संगठन की मजबूती के लिए जो भी संभव होगा उसे किया जाएगा।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

अपना दल यस पार्टी कार्यालय पर आयोजित किया गया विशाल सदस्यता कार्यक्रम

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : अपना दल यस पार्टी कार्यालय पर विशाल सदस्यता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शिव नायक पटेल ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वाराणसी मंडल के सदस्यता प्रभारी एवं पूर्व विधायक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय महासचिव अपना दल यस रहे। सबसे पहले महापुरुषों के चित्र पर मुख्य अतिथि द्वारा पुष्प अर्पित कर नमन किया गया ।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मड़ियाहूं के विधायक डॉक्टर आरके पटेल एवं राष्ट्रीय सचिव पप्पू माली रहे। सदस्यता अभियान की शुरुआत सबसे पहले राष्ट्रीय कमेटी के राष्ट्रीय सचिव पप्पू माली को सदस्यता प्रभारी डॉक्टर जमुना प्रसाद सरोज द्वारा सदस्यता दिलाया गया उसके उपरांत सभी निवर्तमान प्रदेश के पदाधिकारियों को एवं जिले के पदाधिकारियों को बारी बारी से सदस्यता दिलाई गई एवं एवं हर विधानसभा को अपना दल संगठन चार भागों में विभाजित कर जोन अध्यक्ष नामित किया है। जोन अध्यक्ष के सदस्यता प्रभारी राष्ट्रीय एवं प्रदेश के पदाधिकारियों को बनाया गया है सभी जोन प्रमुख को एक एक,जोन मे कम से कम 25 सक्रिय सदस्य बनाना अनिवार है कार्यकर्ताओं को हौसला अफजाई करते हुए मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कहा थी आज जनपद जौनपुर संगठन में पहले ही दिन 787 सक्रिय सदस्य बना दिए गए हैं आगामी 2 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सक्रिय सदस्य एवं साधारण सदस्य बनाए जाएंगे एक माह में जनपद जौनपुर में एवं पूरे प्रदेश में अपना दल यस पार्टी सदस्यता के माने में एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगा। अपना दल एस के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय अनुप्रिया पटेल जी का जो लक्ष्य है कि हमारी पार्टी एक करोड़ सक्रिय सदस्य इस बार बनाएगी तो हम अपने नेता को आशा और विश्वास दिलाते हैं कि हमारे कार्यकर्ता एक करोड़ पार सक्रिय सदस्य बना कर दिखाएंगे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मड़ियाहूं के विधायक डॉक्टर आरके पटेल ने कहा कि पार्टी की प्रथम

सीढ़ी साधारण सदस्य होते हैं और सक्रिय सदस्य होते हैं इसलिए हम सबका पूरी जिम्मेदारी है अपने पार्टी के लिए अपने संगठन के लिए ज्यादा से ज्यादा साधारण एवं सक्रिय सदस्य बनाकर जनपद जौनपुर में एक नया कीर्तिमान स्थापित करें अपने संबोधन में पप्पू माली ने कहा कि पार्टी के लिए सक्रिय सदस्य बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि आगामी 4 नवंबर को पार्टी की राष्ट्रीय अधिवेशन होने जा रहा है जिसमें नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का पार्टी चुनाव करेगी और यही सक्रिय सदस्य उस चुनाव में अपना बहुमूल्य मत देकर अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करेंगे इसलिए पार्टी के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण यह सदस्यता अभियान है 25 साधारण सदस्य बनाने वाले व्यक्ति को एक सक्रिय सदस्य के रूप में सदस्यता प्रमाण पत्र दिया जाता है इसलिए हमारा जनपद जौनपुर ज्यादा से ज्यादा सक्रिय सदस्य बनाकर राष्ट्रीय अधिवेशन में अपना महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा अपने समापन भाषण में जिला अध्यक्ष शिवनाथ पटेल ने कहां की आज जिस प्रकार से सपा बसपा कांग्रेसमें भगदड़ मची है सारे दल के लोग तेजी से अपना दल एस पार्टी की तरफ से अग्रसर हो रहे हैं आज इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी को छोड़कर अपना दल एस पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों की संख्या सबसे ज्यादा रही समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी गुरु दिन यादव ने अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ समाजवादी पार्टी छोड़ कर अपना दल एस पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव मान सिंह पटेल ने किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित लाल प्रकाश पाल गोकर्ण पटेल जी विनोद यादव सुरेंद्र नाथ योगी अमरनाथ सरोज ओम प्रकाश जायसवाल राम पटेल सूरज पटेल जय प्रकाश पटेल डॉ नरेंद्र पटेल हरिराम वर्मा रामसमुझ गौतम अनिल जायसवाल भैया लाल पटेल अंबिका प्रसाद मौर्या रजनीकांत दुबे जय शंकर जायसवाल अजीत पटेल आदि लोग उपस्थित रहे।

डॉ अंजू बाला व अन्य सदस्यों द्वारा अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक संपन्न

जौनपुर सू.वि. : राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग नई दिल्ली की सदस्य मा० डॉ अंजू बाला व अन्य सदस्यों के द्वारा अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की गई। बैठक में सदस्य अनुसूचित जाति आयोग के द्वारा अनुसूचित जाति से संबंधित जिले में चल रही है योजनाओं की समीक्षा की गई। उन्होंने मुद्रा लोन से संबंधित मामले की समीक्षा की और निर्देशित किया कि लीड बैंक के साथ बैठक कर निर्देश दिया जाए कि अनुसूचित जाति के लाभार्थियों को और अधिक लाभ दिया जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की और विभागध्यक्षों को निर्देशित किया कि अनुसूचित जाति से संबंधित मामले की विशेष निगरानी की जाए और पात्र को लाभ दिलाया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि चौपाल लगाकर पात्रों को प्रधानमंत्री आवास, शौचालय, उज्जवला कनेक्शन व अन्य योजनाओं का लाभ दिया जाए और इसकी रिपोर्ट 15 दिन के भीतर दी जाएं। अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र प्रसाद सिंह ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति प्रताड़ित अधिनियम पर विस्तृत जानकारी प्रदान की और लंबित मामलों पर रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक के पूर्व मा० सदस्य के द्वारा चंदवक थाना क्षेत्र के कसली कैलाशपुर गांव में जाकर ग्रामीणों से वार्ता की गई। माननीय सदस्य द्वारा बताया गया कि स्कूल में कुछ जरूरी संसाधनों को उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने पंखे और अन्य उपकरण

लगाने का निर्देश दिया है। इसके अलावा गांव में चौपाल का आयोजन भी किया जाएगा। चौपाल के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार के विकास योजनाओं की जानकारी व लाभ ग्रामीणों को दी जाएगी। स्कूल में पठन–पाठन का कार्य बेहतर रहे इसके लिए वहां के ग्रामीणों और विद्यालय प्रबंध तंत्र से समन्वय बनाने के लिए कहा गया । इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामप्रकाश, अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र प्रसाद सिंह, उपजिलाधिकारी सदर ज्योति सिंह, केराकत माज अख्तर, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुनील सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख रोली गुप्ता ने क्षेत्र पंचायत सदस्य पद से दिया इस्तीफा

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : विकास खण्ड शाहाबाद की पूर्व ब्लॉक प्रमुख रोली गुप्ता ने क्षेत्र पंचायत ऐगवां के सदस्य पद इस्तीफा दे दिया है। आज उन्होंने हरदोई जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती को अपना इस्तीफा सौंपा। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख

रोली गुप्ता ने कहा कि क्षेत्र पंचायत वार्ड नंबर 92 ऐगवां द्वितीय से निर्विरोध निर्वाचित हुई थी।मैंने अभी तक अपने क्षेत्र पंचायत के नागरिकों की पूरे मनोभाव से सेवा की है।और मुझे क्षेत्रीय जनता का पूरा सहयोग मिला।जिसके लिए मैं सदैव जनता की ऋणी रहूंगी।मैं अपने पूरे विवेक से निर्णय लेते हुए क्षेत्र पंचायत सदस्य पद से त्याग पत्र दे रही हूं।मैं शाहाबाद की जनता की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहूंगी। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पूर्व ब्लॉक प्रमुख रोली गुप्ता ने अपने पांच साल के कार्यकाल में निर्विवादित रहते हुए सर्व समाज की उत्कृष्ट सेवा की है।तथा ब्लॉक क्षेत्र में विकास कार्यों का एक कीर्तिमान स्थापित किया। इस अवसर पर भाजपा नेता पी के वर्मा,भाजपा जिला व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नवनीत कुमार गुप्ता,जिला पंचायत सदस्य सर्वेंद्र गुप्ता समेत अनेक राजनीतिक लोग मौजूद रहे।

आत्महत्या की धमकी को हल्के में ना लें –प्रो तुषार सिंह

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय आर्यभट्ट सभागार में चल रही पांच दिवसीय कार्यशाला के आज चौथे दिन ''युवाओं में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्तिः रोकथाम में शिक्षकों की भूमिका'' विषय पर मंथन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ तुषार सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा आत्महत्या एशिया में होती है, जिसमें चीन के बाद भारत दूसरे नंबर पर है। व्यक्तियों के जीवन में आने वाली परेशानियां और उससे निपटने के तरीकों में जब असंतुलन होता है तो व्यक्ति आत्महत्या की ओर बढ़ने लगता है। लोगों से बराबर संवाद ना करने, बार–बार आत्महत्या की धमकी को हल्के में लेना खतरनाक होता है। एक शिक्षक को अपने छात्रों पर नजर रखनी चाहिए और उसे ध्यान देना चाहिए। कि अगर कोई ऐसा छात्र जो अचानक से लोगों से अलग रहने लगे, उसके चेहरे पर निराशा का भाव है, बात–बात में क्रोधित हो रहा हो, वह तनाव में दिख रहा हो, तो उससे संवाद करना चाहिए और उसका एक अच्छा दोस्त बनकर उसके अंदर चल रहे अन्तर्द्वंद को बाहर निकालने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मनोचिकित्सक डॉ. हरिनाथ यादव ने कहा कि जिस समय व्यक्ति आत्महत्या करते हैं उस समय कारण कुछ भी हो लेकिन एक बात स्पष्ट है कि उस समय वह मानसिक रूप से बीमार होता है। जब किसी व्यक्ति को किन्हीं कारणों से तनाव लगातार बना रहता है तो उससे उसके शरीर में कार्टीसोल

की मात्रा बढ़ने लगता है और प्रोटीन की मात्रा घटने लगती है जिस कारण से व्यक्ति के शरीर का एम्युनिटी सिस्टम कमजोर हो जाती है।वह डिप्रेशन में जाने लगता है ऐसे में उस पर ध्यान देने की जरूरत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे व्यवहारिक मनोविज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो.अजय प्रताप सिंह ने कहा कि हर आयु वर्ग में तनाव और तत्पश्चात आत्महत्या की प्रवृति अलग अलग होती है इसलिए हमें अलग विधियों के माध्यम से ऐसे परिथितियों का समाधान निकालने की आवश्यकता है। उक्त कार्यक्रम में नोडल अधिकारी प्रो. अजय द्विवेदी, सह नोडल अधिकारी मनोज पांडेय, प्रो. देवराज सिंह, प्रो.बंदना राय, प्रो.अविनाश पार्थिडकर,प्रो.प्रदीप कुमार , डॉ पुनीत धवन, डॉ. वनिता सिंह, डॉ आन्जनेय पांडेय, डॉ.अनू त्यागी,डॉ मधु पाठक,डा मनीष कुमार गुप्ता, डॉ सुनील कुमार, डा नृपेन्द्र सिंह ,डा श्याम कन्हैया, डा परमेन्द्र सिंह आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव और धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर दिग्विजय सिंह राठौर ने किया।

सीएम के कार्यक्रम स्थल पर अचेत हुआ छात्र

वाराणसी ब्यूरो : नगर के पीजी कॉलेज मैदान पर आयोजित मुख्यमंत्री कार्यक्रम में शुक्रवार को शामिल होने आया एक छात्र गर्मी से अचानक अचेत हो गया। वहां तैनात पुलिस कर्मियों ने तत्काल छात्र को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसका उपचार किया। छात्र अब स्वस्थ है। मूर्ति अनावरण एवं जनसभा संबोधन कार्यक्रम में महुआबाग आदर्श इंटर के छात्र शामिल होने गए थे। तेज धूप से उमस एवं गर्मी के चलते लोग परेशान थे। इधर विद्यालय के अन्य छात्रों के साथ आया हुसैनपुर गांव निवासी दीपक कुमार गर्मी के कारण अचानक बेहोश हो गया। शोरगुल सुनकर वहां तैनात कांस्टेबल बलवंत, कांस्टेबल सतेंद्र और कांस्टेबल मृदुल त्रिपाठी ने उसे गोद में उठाया और तत्काल नजदीक स्थित जिला अस्पताल ले गए और उसे भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसका उपचार शुरू कर दिया। उपचार के बाद छात्र होश में आ गया। इधर पुलिस कर्मियों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। परिवार के लोग भी पहुंच गए थे। डॉक्टरों के अनुसार छात्र स्वस्थ है।

अन्त्योदय तथा पात्र गृहस्थी राशनकार्डों पर आवंटित खाद्यान्न का 12 सितम्बर तक होगा वितरण

जौनपुर सू.वि. : जिला पूर्ति अधिकारी ने सर्वसाधारण को अवगत कराया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजनान्तर्गत आच्छादित अन्त्योदय तथा पात्र गृहस्थी राशनकार्डों को माह–अगस्त 2022 के द्वितीय चक्र में किये जाने वाले माह–जुलाई 2022 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न (गेहूँ तथा चावल) तथा माह–जून, 2022 के सापेक्ष आवश्यक वस्तुओं (तेल, नमक एवं चना) का वितरण 25 अगस्त 2022 से 10 सितम्बर 2022 तक निर्धारित की गयी थी, किन्तु जनपद के उचित दर विक्रेताओं को खाद्यान्न तथा साबुत चना, आयोडाइज्ड नमक एवं रिफाइण्ड सोयाबीन ऑयल का निर्गमन न होने के कारण जनपद के समस्त लाभार्थियों को उपरोक्त वस्तुओं का वितरण 10 सितम्बर 2022 तक कराया जाना सम्भव नहीं हो पा रहा है। ऐसी स्थिति में शासन के पत्र द्वारा उठान/वितरण की तिथि 11 सितम्बर 2022 से 12 सितम्बर 2022 तक विस्तारित किये जाने का निर्णय लिया गया है। उक्त योजनान्तर्गत वितरण की अन्तिम तिथि 10 सितम्बर 2022 के साथ 12 सितम्बर 2022 को आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त न कर सकने वाले उपभोक्ताओं हेतु मोबाइल ओ.टी.पी. वेरीफिकेशन के माध्यम से वितरण सम्पन्न किया जा सकेगा। तत्क्रम में जनपद के समस्त उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित किया जाता है कि वे पूर्व में जारी सोशल डिस्टेन्सिंग के निर्देशो का पालन कराते हुए नियमानुसार अन्त्योदय राशनकार्डों पर 35 किग्रा0 प्रति कार्ड एवं पात्र गृहस्थी राशन कार्डों से सम्बद्ध यूनिटों पर 05 किग्रा0 खाद्यान्न प्रति यूनिट के आधार पर निर्धारित दर गेहूँ–रू0 02 प्रति किग्रा0 तथा चावल–रू0 03 प्रति किग्रा0 के अनुसार तथा अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को आयोडाइज्ड नमक (01 किग्रा0 प्रति कार्ड), दाल साबुत चना (01 किग्रा0 प्रति कार्ड) तथा रिफाइण्ड ऑयल (01 ली0 प्रति कार्ड) निःशुल्क वितरण पर्यवेक्षणीय अधिकारियों की उपस्थिति में करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही अपनी उचित दर दुकानों पर उक्त योजना के सम्बन्ध में खाद्यान्न वितरण निर्धारित मात्रा व निर्धारित दरों का एवं आवश्यक वस्तुओं (तेल, नमक एवं चना) के निःशुल्क वितरण की सूचना चस्पा करेंगे, ताकि कोई भी पात्र लाभार्थी खाद्यान्न प्राप्त करने से वंचित न रह जाये।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

जिंदगी में वहां तक झुको जहां तक संबंधों में लचकता और मन में सम्मान बना रहे।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

कूटनीति का मैदान बना कोलंबो

गरीब देशों को कर्ज के जाल में फंसाने के लिए चीन की विशाल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की अमेरिका, पश्चिमी देशों और भारत द्वारा तीखी आलोचना की गई है। हंबनटोटा परियोजना इसका ज्वलंत उदाहरण है, जब कर्ज का भुगतान करने में असमर्थ होने पर श्रीलंका द्वारा इसे चीन को 99 साल के लिए पट्टे पर देना पड़ा।

एक प्रसिद्ध कहावत है कि जब दो सांडों की लड़ाई होती है, तो छोटे सांड को कुचल दिया जाता है। चीन और भारत जैसे दो क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों की लड़ाई में श्रीलंका को ऐसी ही पीड़ा से गुजरना पड़ रहा है। पहले चीनी पोत को अपनी यात्रा स्थगित करने के लिए कहने और फिर उसे बंदरगाह पर रुकने की अनुमति देने जैसे श्रीलंका के विरोधाभासी फैसलों को लेकर विवाद जारी है। यह सब तब हुआ है, जब श्रीलंका गंभीर आर्थिक संकट और सत्ता परिवर्तन से जूझ रहा है।

भारतीय उच्चायोग और चीनी दूतावास की तनातनी के बीच कोलंबो कुटनीतिक युद्ध का मैदान बन गया है। दोनों देशों की अवांछित सहानुभूति श्रीलंका के साथ है। दोनों ने श्रीलंका के साथअपने करीबी संबंधों का जिक्र करते हुए बताया कि किस तरह वे उसकी मदद कर रहे हैं। यह विवाद श्रीलंका के संकट या उसकी मदद को लेकर नहीं हुआ, बल्कि ईंधन भरने के लिए पांच दिनों तक श्रीलंकाई बंदरगाह पर चीनी पोत के रुकने को लेकर हो रहा है।

भारत ने श्रीलंकाई बंदरगाह पर चीनी पोत की मौजूदगी पर आपत्ति जताई, क्योंकि उसे उसके इरादों पर संदेह है। चीन ने जोर देकर कहा कि युआन वांग–5 एक शोध और सर्वेक्षण जहाज है, पर भारत का कहना है कि यह मिसाइलों का पता लगाने की क्षमता वाला एक 'जासूसी जहाज' है। यह जहाज अब द्वीपीय राष्ट्र से दूर चला गया है, लेकिन इसने हिंद महासागर में विवादों का एक ऐसा भंवर छोड़ दिया है कि मालदीव और पूर्वी अफ्रीकी तटों पर, सेशेल्स और मॉरीशस जैसे दूर और पास के अन्य छोटे देश इसकी अनदेखी नहीं कर सकते।

भारत ने सबसे पहले हंबनटोटा में चीनी जहाज के रुकने पर आपत्ति जताई थी। स्पष्ट रूप से मना करने में असमर्थ कोलंबो ने कूटनीतिक ढंग से बीजिंग से यात्रा स्थगित करने का आग्रह किया, लेकिन जब चीन ने दबाव बनाया, तो उसने अचानक यू–टर्न लेते हुए उसे यात्रा की अनुमति दे दी। भारत गुस्से में था। चीन ने कहा कि अनुसंधान जहाज की यात्रा को लेकर भारत बहुत ज्यादा विवाद खड़ा कर रहा है और उसने श्रीलंका पर अनावश्यक 'दबाव' बनाया, जबकि श्रीलंका सहानुभूति और समर्थन का हकदार था।

भारत ने चीन के इस आरोप को खारिज कर दिया कि नई दिल्ली ने कोलंबो पर दबाव बनाया और जोर देकर कहा कि श्रीलंका को 'समर्थन की जरूरत है, न कि अवांछित दबाव की।' श्रीलंका स्थित भारतीय उच्चायोग ने कहा कि हमने चीनी राजदूत की टिप्पणी का संज्ञान लिया है। बुनियादी शिष्टाचार का उल्लंघन उनका व्यक्तिगत लक्षण है या यह व्यापक राष्ट्रीय रवैये को दर्शाता है। चीनी जहाज को अनुमति देने के कोलंबो के फैसले पर नई दिल्ली की निराशा के संकेतों के बीच, भारत में श्रीलंका के दूत मिलिंडा मोरागोडा ने भविष्य में इस तरह की समुद्री सुरक्षा चिंताओं से निपटने के लिए एक नया 'ढांचा' बनाने का आग्रह किया है।

सवाल यह है कि इसे कौन तैयार करेगा और कौन इसके मानदंड तय करेगा। भारत को आशंका है कि चीनी 'जासूसी जहाज' इसके विशाल समुद्र तट में भारत के समुद्री प्रतिष्ठानों का पता लगाने में उपयोग करेगा। यह वाजिब चिंता है, जो पिछले दो दशकों में बढ़ी है, क्योंकि चीनी पनडुब्बियां और जहाज हिंद महासागर के द्वीपीय देशों के आसपास लगातार टोह लेते रहते हैं। हंबनटोटा बंदरगाह निवेश उन कई परियोजनाओं में से एक है, जिसने श्रीलंका के कर्ज का बोझ बढ़ा दिया है।

अपने गंभीर आर्थिक संकट से बाहर निकलने के लिए श्रीलंका ने बृहस्पतिवार को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ बेलआउट पैकेज पर प्रारंभिक समझौता किया है। गरीब देशों को कर्ज के जाल में फंसाने के लिए चीन की विशाल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की अमेरिका, पश्चिमी देशों और भारत द्वारा तीखी आलोचना की गई है। हंबनटोटा परियोजना इसका ज्वलंत उदाहरण है, जब कर्ज का भुगतान करने में असमर्थ होने पर श्रीलंका द्वारा इसे चीन को 99 साल के लिए पट्टे पर देना पड़ा।

अपने क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी से जूझते भारत को यह स्वीकार करने की जरूरत है कि विदेशी परियोजनाओं के मामले में कई बार उससे चूक हुई है। म्यांमार में ऐसा ही हुआ। ईरान के चाबहार बंदरगाह का निर्माण बेशक भारत ने ही किया, लेकिन बाद में भारत ने इसमें अपनी दिलचस्पी खो दी, तो अब चीन उसे विकसित कर रहा है। भारत की दिलचस्पी खोने के पीछे कुछ हद तक इसकी अक्षमता थी, लेकिन मुख्य कारण अमेरिका की नाराजगी का भय था, जो ईरान के साथ किसी भी सौदे को शत्रुता की नजर से देखता है।

इस प्रकार भारत अमेरिका और क्वाड के करीब रहने के भू–राजनीतिक उद्देश्य को पूरा करने के लिए आर्थिक कीमत चुका रहा है। ये सभी महत्वपूर्ण परियोजनाएं चीन के पास गई हैं, जिसके पास उन्हें पूरा करने के लिए काफी धन और क्षमता है। श्रीलंका के साथ भारत के नर्म–गर्म रिश्ते नई बात नहीं हैं। हर बार जब श्रीलंका भारत को अपने हितों के अनुकूल नहीं पाता, तो वह चीन का रुख करता है। प्राचीन संबंधों और पौराणिक कथाओं को भूलकर श्रीलंका भारत को अपने परस्पर विरोधी राष्ट्रीय हितों की नजर से देखता है।

भारत ने सिंहली चरमपंथी गुटों से लड़ने में उसकी मदद की, जो धन्यवाद रहित काम था। फिर भारत ने जातीय संघर्ष के दौरान लिट्टे और अन्य तमिल उग्रवादी समूहों की मदद की। बहुसंख्यक सिंहली भारत के शत्रु बन गए, जबकि भारत ने उन तमिल समूहों से लड़ते हुए खून बहाया। यह एक और धन्यवाद रहित काम था। हैरानी की बात नहीं कि हाल के वर्षों में श्रीलंका के कई राष्ट्रपति, विशेष रूप से राजपक्षे (महिंदा और गोतबाया) भारत विरोधी और चीन समर्थक रहे हैं। कुल मिलाकर श्रीलंका भारत और चीन के बीच संतुलन बनाकर चल रहा है।

इस मामले में गंभीरता से ध्यान देने लायक तथ्य यह है कि नई सदी में चीन ने सिर्फ क्षेत्रीय स्तर पर नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी खुद को भारी शक्तिशाली बनाया है। अमेरिका और सहयोगियों के साथ गठबंधन कर भारत खुद को भू–रणनीतिक रूप से मजबूत बना सकता है, लेकिन जब भू–राजनीति और भू–अर्थशास्त्र की बात आती है–तो भारत को इस क्षेत्र के देशों के साथ, वे चाहे बड़े हों या छोटे, रिश्ता रखना होगा। अगर यह एशियाई सदी होने जा रही है, तो भारत को चाहे–अनचाहे चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करनी पड़ेगी।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

पिहानी पब्लिक स्कूल की प्रथम वर्षगांठ पर सास्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) : पिहानी जहानीखेड़ा मार्ग पर पिहानी पब्लिक स्कूल की प्रथम वर्षगांठ धूमधाम के साथ मनाई गई। इस दौरान छात्र–छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। गायत्री प्रज्ञा पीठ पिहानी की महिला मंडल की टोली नायिका नीलम शर्मा मुख्य अतिथि व सावित्री देवी विशिष्ट अतिथि व अध्यापिका व महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर देने वाली विजय अवस्थी मौजूद रही। पिहानी पब्लिक स्कूल की प्रथम वर्षगांठ पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नीलम शर्मा व विशिष्ट अतिथि सावित्री देवी , विजया अवस्थी सहित अतिथियों का स्वागत विद्यालय के प्रबंध तंत्र व समस्त स्टाफ ने बुके देकर किया । इस दौरान स्कूली छात्र–छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। नृत्य हो या गायक सभी ने मन मोह लिया। प्रधानाचार्या अनील ने छात्र–छात्राओं को पढाई के प्रति जागृत किया। मुख्य अतिथि नीलम शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ–साथ साहित्य और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन भी विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। विद्यार्थियों को सह शैक्षिक प्रतियोगिताओं में भी भागीदारी करना शिक्षा का एक महत्वपूर्ण अंग है। इससे बालक में सामाजिकता, नेतृत्व गुण, सामाजिक उपयोगिता, सहनशीलता की भावनाएं विकसित होती हैं और बालक का

सर्वांगीण विकास होता है। विशिष्ट अतिथि सावित्री देवी ने कहा कि विद्यालय में प्राथमिक स्तर से ही सांस्कृतिक और साहित्यिक गतिविधियां आयोजित की जानी चाहिए ताकि विद्यार्थियों में अपने देश समाज की संस्कृति को समझने और उसे जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया जा सके। अध्यापिका विजया अवस्थी ने कहा कि विद्यालय सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन से बालकों को अभूतपूर्व लाभ मिलता है और उन्हें मात्र सैद्धांतिक जीवन के बजाय प्रैक्टिकली जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है जिससे वे भावी जीवन के लिए आने वाले संघर्षों और कठिनाइयों से मुकाबला करने के लिए तैयार होते हैं। विद्यालय के प्रबंधक अवधेश रस्तोगी आशुतोष रस्तोगी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर देवेंद्र यादव, सभासद सोनू सिंह, विपिन सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे।

शहीद के घर डाक से भेजे गये शौर्य चक्र को पिता ने लौटाया : कहा– ये बेटे की शहादत का अपमान

आगरा ब्यूरो : वर्ष 2017 में कश्मीर में शहीद हुए आगरा की बाह तहसील के रहने वाले लांसनायक गोपाल सिंह के घर सेना ने डाक से शौर्य चक्र सम्मान भेज दिया। इससे पुराताल (केंजरा) गांव के लोग नाराज हैं। ग्रामीणों ने इसे शहादत का अपमान बताकर राष्ट्रपति के हाथों शौर्य चक्र दिए जाने की मांग की है। शहीद का परिवार वर्तमान में बापू नगर अहमदाबाद (गुजरात) में रहता है। सेना ने पांच सितंबर को अहमदाबाद के पते पर डाक से शौर्य चक्र भेजा था, जिसे शहीद के माता–पिता जयश्री–मुनीम सिंह भदौरिया ने यह कहकर लौटा दिया कि डाक से शौर्य चक्र को भेजकर बेटे की शहादत का अपमान किया गया है। मूलरूप से पुराताल (केंजरा) गांव निवासी मुकीम सिंह भदौरिया के बेटे लांस नायक गोपाल सिंह भदौरिया को बतौर एनएसजी कमांडो मुंबई में 26/11 के आंतकी हमले में बहादुरी के लिए विशिष्ट सेवा पदक से भी सम्मानित किया गया था। वह आतंकवादियों की गोलीबारी के बीच घायल सूबेदार मेजर को ताज होटल से बाहर लाए थे। 33 साल की उम्र में लांस नायक गोपाल सिंह ने जम्मू–कश्मीर के कुलगाम में 12 फरवरी 2017 को मुठभेड़ के दौरान चार आतंकियों को ढेर कर दिया था। मुठभेड़ में लांस नायक भी शहीद हो गए थे। 2018 में वीर सपूत को शौर्य चक्र दिए जाने का निर्णय लिया गया था। राष्ट्रपति के हाथों शौर्य चक्र लेने का इंतजार कर रहे माता–पिता पांच सितंबर को उस वक्त ठगे से रह गए, जब

डाक से शौर्य चक्र उनके बापू नगर स्थित घर पर पहुंचा। माता–पिता ने बताया कि बेटे की शहादत पर उनको गर्व है। अहमदाबाद और केंजरा में शहीद स्मारक बनवाकर बेटे की यादों को सहेजा है। उस दिन का इंतजार है, जब राष्ट्रपति अपने हाथों से यह सम्मान प्रदान करेंगे। शहीद गोपाल सिंह के चचेरे भाई पवन भदौरिया, चाचा अरविंद भदौरिया, राजीव भदौरिया, संतोष भदौरिया, अनिल भदौरिया ने बताया कि केंजरा गांव में शहीद की पूजा होती है। इस अपमान से गांव और परिवार दुखी है। वर्ष 2011 में गोपाल सिंह भदौरिया का पत्नी हेमावती से तलाक हो गया था। घर में शौर्य चक्र के हकदार को लेकर विवाद हुआ और मामला कोर्ट तक पहुंच गया। कोर्ट ने शहीद के माता–पिता के पक्ष को स्वीकार किया और शौर्य चक्र को हेमावती को देने पर रोक लगा दी। कोर्ट ने केंद्र सरकार को आदेश दिया कि मरणोपरांत शहीद का सम्मान और सुविधाएं उनके माता–पिता को दिया जाए। पांच सितंबर को यह सम्मान डाक से भेजा गया।

अधिवक्ता नवीनीकरण शुल्क बढाये जाने से आक्रोशित हुए अधिवक्ता

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) : शहर के पीडब्लूडी सर्किल हाउस मे युवा अधिवक्ता जागृति एशोसियेशन मंच के प्रदेश अध्यक्ष आदर्श दीपक मिश्र एडवोकेट हाईकोर्ट ने प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा सम्पूर्ण प्रदेश मे उ0प्र0 बार कौंसिल की ओर से अधिवक्ताओं के प्रैक्टिस नवीनीकरण को लेकर जारी आदेश जिसमें पूर्व के शुल्क 100 रूपये को बढाकर 500 रूपये कर दिया गया है। जो कि अत्यन्त गम्भीर विषय है जैसा कि सभी को पूर्व विदित है कि बार कौंसिल आफ उत्तर प्रदेश प्रैक्टिस हेतु महज अपना एक प्रमाण पत्र एवं परिचय पत्र जारी करना होता है। जिस हेतु पूर्व में अधिवक्ताओं से 100 रूपया शुल्क लिया जाता है। किन्तु अब मन माने ढंग से बार कौंसिल आफ उत्तर प्रदेश धन उगाही हेतु उ0प्र0 के लाखों अधिवक्ताओं से 500 रूपये प्रति अधिवक्ता लेने की घोषणा की गई है। जिससे प्रदेश के सभी अधिवक्ता इस बात से आक्रोशित हैं। बार कौंसिल आफ उत्तर प्रदेश द्वारा लिया गया निर्णय किसी भी दशा मे उचित नही है। इस बार कौंसिल को पुनः विचार करते हुए पूर्व मे लिए जाने वाली धनराशि 100 ही रखी जाये अन्यथा इस स्थिति मे प्रदेश के लाखों लाख अधिवक्ता बार कौंसिल आफ उत्तर प्रदेश द्वारा लिए गये अनुचित मन माने ढंग से निर्णय के विरूद्ध लामबन्द होकर बार कौंसिल आफ उत्तर प्रदेश

का घेराव व प्रदर्शन करेगे। इस गम्भीर प्रकरण पर किसी भी बार कौंसिल सदस्य द्वारा अभी तक अधिवक्ताओं के सहयोग मे कोई भी प्रतिक्रिया नही आई। यह गम्भीर विषय है साथ ही नए अधिवक्ताओं के रजिस्ट्रेशन शुल्क लगभग 15000 रूपय से अधिक है जो कि प्रैक्टिस मे आये हुए अधिवक्ताओं के लिए बहुत ज्यादा है इसे भी कम किया जाना चाहिए साथ ही आल इण्डिया बार इग्जाम शुल्क भी कम किया जाना अति आवश्यक है। एक ओर बार कौंसिल द्वारा प्रदेश के नये अधिवक्ताओं को मासिक सहयोग राशि देने की बात की गई थी। उस ओर तो अभी तक कोई प्रयास नही किया गया। दूसरी ओर नवीनीकरण के नाम पर अवैध वसूली ठीक नही है। प्रेसवार्ता मे अधिवक्ता संघ के पूर्व उपाध्यक्ष शिवमोहन शुक्ला एड0 प्रदेश उपाध्यक्ष प्रतिमा मिश्रा एड0 प्रदेश सचिव समता शर्मा एड0 प्रदेश सचिव, रामजी अवस्थी एड0 जिलाध्यक्ष आयूब खान एड0 जिला उपाध्यक्ष, रमेश सिंह एड0 जिला महामंत्री प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा 02 वारण्टी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर के कुशल निर्देशन में श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज के निकट पर्यवेक्षण मे तलाश वारण्टी/वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के अभियान के क्रम में खेतासराय पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 10.09.2022 को मय 02 नफर वारंटी 1. सुभाष राम पुत्र जयराम 2.फिरता देवी पत्नी सुभाष राम निवासी गण खुदौली थाना खेतासराय जनपद जौनपुर को उनके घर से गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पता 1.सुभाष राम पुत्र जयराम निवासी खुदौली थाना खेतासराय जनपद जौनपुर 2.फिरता देवी पत्नी सुभाष राम निवासी खुदौली थाना खेतासराय जनपद जौनपुर गिरफ्तार करने वाली पुलिस

टीम– 1.व यजुवेंद्र कुमार सिंह थाना खेतासराय जनपद जौनपुर। 2.उ0नि0 शान मोहम्मद थाना खेतासराय जनपद जौनपुर। 3.हे0 कां0 अनंत कुमार यादव, कां0 अखिलेश मौर्य, म0का0 अंतिमा सिंह थाना खेतासराय जनपद जौनपुर।

प्रदेश सरकार की माध्यमिक शिक्षक विरोधी नीतियों के विरुद्ध शिक्षकों का 14 सितंबर को लखनऊ में प्रदर्शन

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) : प्रदेश सरकार की शिक्षक विरोधी नीतियों के विरुद्ध,शिक्षा के निजीकरण विरुद्ध तथा वेतन वितरण अधिनियम 1971 की मर्यादा बनाये रखने के लिए उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ नियमित रूप से संघर्षरत है। यह जानकारी देते हुए संघ के प्रदेश महामंत्री आशीष सिंह ने बताया कि इस क्रम में पूरे प्रदेश के मंडल मुख्यालयों पर अलग अलग तिथियों पर धरना प्रदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 14 सितंबर2022 को लखनऊ में संयुक्त शिक्षा निदेशक के कार्यालय ,शिक्षा भवन (के.जी. एम.सी. के निकट) दोपहर 12 बजे से धरना प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश कुमार मित्तल ने बताया कि इस अवसर पर मंडल स्तर की समस्याओं के साथ निम्नवत मांगो के संदर्भ में मुख्यमंत्री जी को सम्बोधित ज्ञापन संयुक्त शिक्षा निदेशक के माध्यम से प्रेषित किया जाएगा । मांग है कि एन.पी.एस को समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना को लागू किया जाए । तदर्थ शिक्षकों एवं प्रधानाचार्यो का अद्यतन विनियमितीकरण करके तदर्थवाद किया जाये ।वित्तविहीन शिक्षकों को सम्मानजनक मानदेय दिया जाए।सिटीजन चार्टर को लागू कर भ्रष्टाचार पर तत्काल रोक लगाई जाए ।अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षको को राज्य कर्मचारियों की तरह

कैशलेश चिकित्सा सुविधा दी जाए ।अवशेष देयकों का त्वरित भुगतान कराया जाए । नवनियुक्त शिक्षकों के शैक्षिक अभिलेखों का शिविर लगाकर सत्यापन कराया जाए और उनका अवशेष वेतन काभुगतान किया जाए। 01 अप्रैल 2014 के पश्चात नियुक्त शिक्षकों को सामूहिक जीवन बीमा से आच्छादित किया जाए। व्यावसायिक शिक्षकों के मानदेय में महंगाई के अनुरूप वृद्धि की जाए तथा पूरे वर्ष का मानदेय दिया जाए। अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों में शिक्षकों एवं प्रधानाचार्यो के लिए सुविधाजनक स्थानांतरण लागू की जाए। हिन्दी दिवस पर होने वाले इस प्रदर्शन में सम्पूर्ण प्रदेश के माध्यमिक एवं व्यवसायिक शिक्षक सम्मिलित होंगे।

आबादी की भूमि पर कोर्ट का आदेश आने तक किसी प्रकार का निर्माण नहीं किया जायेगाः–डी0एम0

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) : माह के द्वितीय शनिवार को थाना पचदेवरा में सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी अविनाश कुमार की अध्यक्षता में किया गया। थाना समाधान दिवस में ग्राम अनकपुर में लगने वाली रामलीला की आबादी की भूमि पर कोर्ट में वाद विचाराधीन होने के बाद भी दो लोगों द्वारा अवैध निर्माण की शिकायत पर जिलाधिकारी ने सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए उप जिलाधिकारी न्यायिक सवायजपुर तथा कानूनगो को निर्देश दिये कि उक्त आबादी की भूमि पर कोर्ट का आदेश आने तक किसी के द्वारा किसी प्रकार का निर्माण नहीं किया जायेगा। उन्होने थानाध्यक्ष पचदेवरा को निर्देश दिये कि अवैध निर्माण करने वाले दोनों पक्षों को पांच–पांच लाख रूपया के मुचलके पर वानडाउन करें तथा बीट सिपाहियों के माध्यम से नियमित उक्त स्थल की जानकारी लें और दोनों पक्षों में से किसी के द्वारा आदेश का उल्लघंन करने पर विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजें। थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में किसी भी गौशाला, कब्रिस्तान, चकरोड, खेल मैदान आदि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर समस्त सरकारी भूमि कब्जा मुक्त कराये और कब्जा करने वालों के विरूद्व एंटी भूमाफिया के अन्तर्गत कार्यवाही करें। वरासत संबंधी शिकायतों के संबंध में जिलाधिकारी ने एसडीएम न्यायिक को निर्देश दिये कि ग्रामीणों के वरासत से संबंधित सभी प्रकरणों को एक सप्ताह में निस्तारण करायें। थाना समाधान दिवस में प्राप्त मात्र तीन शिकायतों के संबंध में जिलाधिकारी ने राजस्व एवं पुलिस विभाग के

अधिकारियों को समय से निस्तारत करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने कहा कि राजस्व एवं पुलिस विभाग के कर्मचारी आपस में समन्वय बनाकर गांवों का नियमित निरीक्षण करें तथा छोटे–छोटे विवादों का निस्तारण ग्राम प्रधान, सचिव एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थित में गांव में ही आपसी सुलह समझौते के आधार पर करायें। उन्होने थानाध्यक्ष को निर्देश दिये कि क्षेत्र में शान्ति बनाये रखने के लिए गांव के आराजक, आसामाजिक, अपराधिक तथा दंबग लोगों की गतिविधियों पर नजर रखें तथा इनके बारे में बीट सिपाही व चौकीदारों के माध्यम से नियमित जानकारी लें।

जन शिक्षण संस्थान जौनपुर द्वारा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जन शिक्षण संस्थान जौनपुर द्वारा 09 सितम्बर को ''शिक्षक दिवस'' के समापन समारोह के अंतर्गत निदेशक डॉ सुधा सिंह के नेतृत्व में संस्थान के मुख्यालय पर पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान की निदेशक ने भारत सरकार के द्वारा निर्देशित शिक्षक दिवस के अवसर पर 05 सितम्बर से लेकर 09 सितम्बर तक चलने वाले सभी कार्यक्रमों पर प्रकाश डालते हुए 07 सितम्बर 2022 को संस्थान द्वारा चल रहे सभी प्रशिक्षण केन्द्रो पर विभिन्न प्रतियोगिता किया गया जैसे दुल्हन सजाओ प्रतियोगिता, मेंहदी रचाओ प्रतियोगिता, ड्रेस मेकिंग प्रतियोगिता, कढ़ाई बुनाई प्रतियोगिता और खिलौना बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसका पुरस्कार वितरण कार्यक्रम मुख्यालय पर किया गया, जिसमे मुख्य अतिथि कमलेश कुमार पांडेय (डिप्टी कमिश्नर वाणिज्य कर विभाग), अशोक सिंह (डिप्टी कमिश्नर वाणिज्य कर विभाग), विपिन सोनकर (सहायक असिस्टेंट कमिश्नर वाणिज्य कर विभाग), अर्जुन प्रताप यादव (वरिष्ठ सहायक वाणिज्य कर विभाग), सुवाष सिंह, रीना पांडेय आदि लोग उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि कमलेश कुमार पांडेय ने अपने सम्बोधन में कहा कि अगर आपके हाथ में हुनर

है तो आप कभी भी बेरोजगार नहीं हो सकते जरुरत है अपने हुनर को पहचान करके उसमे निखार लाने की। मुख्य अतिथि अशोक सिंह ने लाभार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज समय की आवश्यकता है की आप आत्मनिर्भर बने न की किसी पर निर्भर होने की कोशिश करे स्वावलंबन बहुत जरुरी है। विपिन सोनकर जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि सीखना सतत प्रक्रिया है सदैव सीखते हुए अपने विधा में परिपक्व बनाये। विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों के हाथ से प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार दिलाया गया जिससे उनका उत्साह बना रहे। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी अवधेश श्रीवास्तव ने किया, कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी रजनीश प्रताप सिंह सहायक कार्यक्रम अधिकारी विनोद मिश्रा, दिनेश शर्मा, कंप्यूटर ऑपरेटर जितेंद्र विश्वकर्मा, साधना श्रीवास्तव, सुनीता शर्मा और विक्की कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

भारतीय ज्ञान प्रणाली में शिक्षक का योगदान महत्वपूर्ण – डॉ. सत्य प्रकाश

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के तीसरे दिन भारतीय ज्ञान प्रणाली में शिक्षक का योगदान विषय पर पैनल चर्चा आयोजित किया गया। चर्चा के आमंत्रित वक्ता काशी हिंदू विश्वविद्यालय के डॉ. सत्य प्रकाश पाल ने शिक्षक की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. पाल ने वैदिक काल से प्रारंभ कर वर्तमान में शिक्षक की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने बताया की किसी भी समाज के निर्माण में शिक्षक की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण होती है जैसा कि चाणक्य ने स्पष्ट कहा है "शिक्षक कभी साधारण नहीं होता, प्रलय और निर्माण उसकी गोद में पलते हैं।" समाज में शिक्षक की महत्ता को रेखांकित करते हुए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने लिखा है कि "समाज में अध्यापक का स्थान अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। वह एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को बौद्धिक परम्पराएँ और तकनीकी कौशल पहुंचाने का केंद्र है और सभ्यता के प्रकाश को प्रज्वलित रखने में सहायता देता है।" कोठारी आयोग ने भी अध्यापकों को राष्ट्र–निर्माता की संज्ञा दी है। कार्यक्रम के दूसरे वक्ता चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद हरियाणा के प्रोफेसर संजय कुमार सिन्हा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न प्रावधानों के बारे में विस्तार से चर्चा की। प्रोफेसर सिन्हा ने बताया कि किस तरह राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से पाठ्यक्रम शिक्षण तथा मूल्यांकन में आमूल चूल परिवर्तन होने जा रहा है इस कारण से कई सारी चुनौतियां भी उत्पन्न होंगी, जिनका निदान सही से करने पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत के लिए मील का पत्थर साबित होगी। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो अविनाश पाथर्डीकर ने मूल्य और चिंतन आधारित भारतीय ज्ञान परंपरा पर विस्तार से चर्चा की। प्रो अविनाश ने बताया कि प्राचीन भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत एवं प्रगति का मूल आधार शिक्षा ही थी। प्राचीन भारतीय शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास था।व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में उसके चारित्रिक विकास तथा आध्यात्मिक विकास का उद्देश्य ही सर्वप्रमुख था। प्राचीन भारतीय शिक्षा ने अपने देश में ही नहीं, समूचे विश्व में ऐसा उच्चकोटि का आदर्श स्थापित किया, जिससे न केवल व्यक्ति का व्यक्तित्व समुन्नत हुआ, अपितु सम्पूर्ण देश और समाज का नाम ऊंचा हुआ

। अतिथियों का स्वागत व परिचय कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ० मनोज कुमार पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ नितेश जायसवाल ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता छात्र कल्याण तथा इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो० अजय द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर प्रो. देवराज सिंह, प्रो. वंदना राय, डॉ मनोज मिश्र, प्रो. प्रदीप कुमार, डॉ गिरिधर मिश्र, डॉ प्रमोद कुमार यादव, डॉ सुनील कुमार, डॉ अवध बिहारी, डॉ श्याम कन्हैयाडॉ अन्नू त्यागी, डॉ.चंदन सिंह, के साथ अन्य शिक्षक, एवं छात्र उपस्थित रहे।

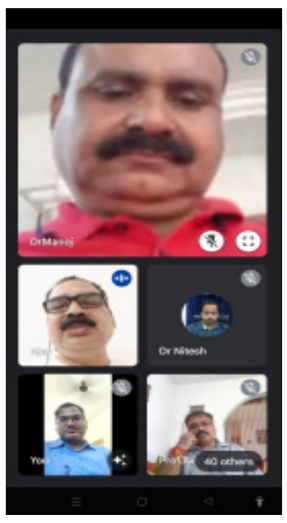

जनसंघ के संस्थापक सदस्य राजा यादवेन्द्र दत्त दूबे की मनायी गयी 23वीं पुण्यतिथि

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जौनपुर राज्य के 11वें नरेश राजा श्रीकृष्ण दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर के संस्थापक राजा यादवेन्द्र दत्त की 23वीं पुण्यतिथि वैदिक विधि विधान व शांति पाठ के साथ महाविद्यालय के समाकक्ष में मनायी गयी, जिसमें महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। तत्पश्चात वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए राजा साहब से जुड़े हुए संस्मरण सुनाएं। प्रो0 अवधेश कुमार द्विवेदी, विभागाध्यक्ष, भौतिक विज्ञान ने राजा साहब का जीवन परिचय प्रस्तुत करते हुए बताया कि राज डिग्री व इण्टर कालेज के अतिरिक्त भी राजा साहब ने बहुत सारे शिक्षण संस्थाओं को स्थापित करने में योगदान किया, जिससे बहुत सारी शिक्षण संस्थाओं के लोग स्वीकार करते है कि भूमि एवं धन राजा साहब के द्वारा प्रदान किया गया। हवेली में राजा साहब का निजी पुस्तकालय भी उनके विद्यानुरागी होने का प्रमाण है। प्रो0 मयानन्द उपाध्याय, विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र ने बताया कि कोई भी व्यक्ति जब राजा साहब से एक बार मिल लेता था तो दूसरी बार मिलने पर राजा साहब नाम से पुकारते थे, उनकी स्मरण शक्ति एवं व्यक्ति को पहचानने की क्षमता अभूतपूर्व थी। प्रो0 अखिलेश्वर शुक्ला, पूर्व प्राचार्य व विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान ने बताया कि राजा साहब जौनपुर की, राजनीति के क्षेत्र में जो योगदान रहा उसका परिणाम केवल भारत ही नहीं विश्व देख रहा है जौनपुर हवेली स्थित राजमहल में राष्ट्रीय स्तर के बड़े–बड़े राजनीतिक धुरंधरों के उपस्थिति में भारतीय राष्ट्रीय जनसंघ की स्थापना का मसौदा तैयार हुआ था, जिसे 21 अक्टूबर 1951 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने दिल्ली में घोषित किया था। आज वहीं संस्था भारतीय जनता पार्टी के रूप में केवल

केन्द्र में ही नहीं बल्कि अधिकांश राज्यो में सत्ता संभाल रही है, तथा भारत की तकदीर का निर्णय कर रही है। एक समय था जब पूर्व मुख्यमंत्री स्व0 कल्याण सिंह राजा साहब के निजी सचिव हुआ करते थे, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के पश्चात राजा साहब के भेजे पत्रों को सिर माथे से लगा लेते थे, तथा त्वरित कार्यवाही कर महाराज को सूचित भी करते थे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 शम्भूराम ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहाकि राजा साहब गरीबों के मसीहा थे, उन्होंने यह शिक्षण संस्था ग्रामीण क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए स्थापित किया, जिसका उद्देश्य था कि इनके बच्चे सरल, सुलभ शिक्षा प्राप्त कर सकें। हम प्राध्यापकों का दायित्व है कि हम सभी मिलकर उनके सपनों को साकार करें, यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 श्याम सुन्दर उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर, डॉ0 अजय मिश्रा, डॉ0 राजेश तिवारी, डॉ0 विजय प्रताप तिवारी, डॉ0 यदुवंश कुमार, डॉ0 अविनाश कौल, डॉ0 सुधाकर शुक्ला, डॉ0 धर्मवीर सिंह, डॉ0 विवेक कुमार, डॉ0 जितेन्द्र दूबे, डॉ0 मनोज कुमार तिवारी, डॉ0 आशीष शुक्ला, डॉ0 अनिल मौर्य, डॉ0 रजनीकांत द्विवेदी, डॉ0 गंगाधर शुक्ला, डॉ0 मृत्युन्जय मिश्रा, डॉ0 ज्योत्सना श्रीवास्तव, डॉ0 अनामिका सिंह, डॉ0 सुधा सिंह, डॉ0 सुनीता गुप्ता, डॉ0 गगनप्रीत कौर, डॉ0 गुंजन मिश्रा, डॉ0 रमेश चन्द्र सोनी, डॉ0 राजेन्द्र सिंह, डॉ0 सुशील कुमार गुप्ता, डॉ0 धर्म साहू, डॉ0 निशीथ कुमार सिंह, डॉ0 विष्णु कान्त तिवारी, संजय कुमार सिंह कार्यालय अधीक्षक, सुधाकर मौर्य लेखाकार, रामफेर यादव, ओमप्रकाश, विकास सिंह, स्वयं यादव, परमजीत विश्वकर्मा व शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

ताहिरपुर के बच्चों का बेबाकी से जवाब पाकर प्रसन्न हुये मुख्यमंत्री

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : पूर्वांचल विश्विद्यालय में सभा को संबोधन करने से पहले मा. मुख्यमंत्री महोदय वहां बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बनाये गए डिस्कवरी लैब की तरह बनाये गए स्टाल का निरीक्षण किये। मा. मुख्यमंत्री महोदय द्वारा निरीक्षण के दौरान वहा उपस्थित प्राथमिक विद्यालय

ताहिरपुर सिकरारा के छात्र छात्राओं काजल बानो वैष्णवी सिंह मानवी प्रजापति संस्कृति गौतम अंश चौरसिया मयंक प्रजापति अनंत मौर्य से इन उपकरणों के बारे में पूछने पर बच्चों द्वारा बहुत ही बेबाकी से जवाब पाकर बहुत खुश हुए। काजल बानो ने तो 30 सेकंड के अंदर 75 जनपदों के नाम बताया तो मुख्यमंत्री जी ने आशीर्वाद देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की। मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में भी इन बच्चों का जिक्र करते हुए शिक्षकों की जमकर सराहना किया। इस दौरान वहां उपस्थित जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल द्वारा बताया गया कि जनपद के 218 विद्यालयों में डिस्कवरी लैब का निर्माण होना है तथा जनपद के लगभग 700 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास रूम की व्यवस्था हो गई है। तथा प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर के प्रधानाध्यापक अमित सिंह द्वारा मुख्यमंत्री जी से बताया गया कि इस तरह के 150 से अधिक उपकरण विद्यालय में स्थापित है जिससे विद्यालय के बच्चों में शुरू से ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होता है। दौरान वहीं राज्य पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक अशोक सोनकर व संयुक्ता सिंह स.अ. शिप्रा सिंह उपस्थित रही।

क्रिएटिव कॉन्वेंट कॉलेज की छात्रा खुशी राज वर्मा का हुआ नीट में चयन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। राजधानी के सरोजनी नगर स्थित क्रिएटिव कॉन्वेंट कॉलेज की छात्रा खुशी राज वर्मा का चयन नीट में हो गया है। विद्यालय में खुशी का माहौल है। खुशी की मां डॉ मंजू वर्मा नर्सिंग होम शांति नगर में चलाती हैं। खुशी ने क्रिएटिव कॉन्वेंट कॉलेज शांति नगर सरोजनी नगर से इंटरमीडिएट तक पढ़ाई की है और विद्यालय की टॉपर रही है। विद्यालय प्रबंधक योगेंद्र सचान एवं समस्त शिक्षकों ने खुशी राज वर्मा को बधाई दी है और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

वैज्ञानिक पर्यावरण डॉक्टर देवेंद्र सरोज का स्कूल में हुआ भव्य स्वागत

सुजानगंज, जौनपुर (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : वैज्ञानिक डाक्टर देवेंद्र सरोज ने बच्चों के बीच में अपने विद्यार्थी जीवन का स्मरण करते हुए बताया कि मैं सुजानगंज क्षेत्र के मोहरियाव गाँव का निवासी हू,मै विद्यार्थी जीवन में कभी सोचा नहीं था कि एक दिन

वैज्ञानिक बनकर लंदन में सेवा करने का मौका मिलेगा, मेरा मन पढ़ने में लगता था,लेकिन स्कूल जाने में मन कम कहता था, माता जी,और मेरी बहन बड़ी मुश्किल से हमे स्कूल पढ़ने भेजा करती थी, आप लोग भी अपने लक्ष्य को बनाकर पढ़ाई करेंगे तो एक दिन निश्चित ही अपनी मंजिल तक पहुंच सकेंगे, उन्होंने बच्चों से कई प्रश्न पूछ कर उनकी शैक्षिक योग्यता साझा किया, वे जयराजी कन्या जूनियर हाई स्कूल एवं जे,आर, पब्लिक स्कूल बेरी में एक सम्मान समारोह कार्यक्रम में बोल रहे थे, उन्होंने बताया कि बच्चे देश के भविष्य हैं, शिक्षा सबसे बड़ा अस्त्र है, शिक्षा से ही बड़ी से बड़ी कामयाबी मिल सकती है, विद्यालय के प्रबंधक वरिष्ठ पत्रकार लाल चन्द्र निषाद ने डॉ० देवेंद्र जी का माल्यार्पण कर स्वागत किया,विशिष्ट अतिथि कैलाशी देवी समाजसेवी एवं बबिता राज व अभिषेक राजका भव्य स्वागत किया गया, मनोरमा,मीना सिंह ने माता भगवती देवी जी का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया, बच्चों द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुती सराहनीय रही, इस अवसर पर स्कूल की संरक्षक, मनोरमा निषाद, मीना सिंह, अभिलाषा निषाद,वंदना निषाद, प्रमोद निषाद, राम बहादुर पटेल, जयनारायन, शशांक शेखर ,सचिन आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे, कार्यक्रम का संचालन रवि कांत निषाद ने किया।

राष्ट्रीय आविष्कार परीक्षा संपन्न

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सिरकोनी ब्लाक में खंड शिक्षा अधिकारी कन्हैया लाल के देख रेख में राष्ट्रीय आविष्कार परीक्षा संपन्न कराई गई जिसमें सिरकोनी ब्लाक के 27 जूनियर हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक अपने अपने स्कूल के तीन–तीन बच्चे को इस राष्ट्रीय आविष्कार परीक्षा में लेकर सम्मिलित हुए जिसमें सर्वाधिक अंक पाने वाले बच्चों को पुरस्कार की दिया गया सर्वाधिक अंक पाने वाले बच्चे ज्ञानवी पाल पूर्व माध्यमिक विद्यालय शिवापार आदर्श पूर्व माध्यमिक विद्यालय रसूलपुर शेखर यादव पूर्व माध्यमिक सेहमलपुर सर्वोच्च अंक प्राप्त करके अपने स्कूल का नाम रोशन किया इस परीक्षा में प्रधानाध्यापक श्री महेंद्र प्रताप सिंह अरविंद शुक्ला जिला अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ पवन सिंह ,अरुणा सिंह, सीमा सिंह ,यशवंत सिंह राममिलन, लक्ष्मी शंकर दिनेश चंद्र यादव ,विनय उपाध्याय सहित सभी प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री को काला झंड़ा दिखाने वाला गिरफ्तार : पुलिस के अनुसार मीडिया कर्मी के रूप में आया था युवक

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : मुख्यमंत्री उ0प्र0 के काफिले को आशीष यादव उर्फ मुलायम यादव पुत्र स्व0 राम अकबाल यादव निवासी ग्राम ढेमा थाना बदलापुर द्वारा काला झण्डा दिखाया गया। आशीष यादव को तत्काल पुलिस हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ पर ज्ञात हुआ कि आशीष यादव, सर्वेश यादव उर्फ लल्ला पुत्र पंचम यादव निवासी ग्राम शेरवाँ थाना सिकरारा के साथ आया था। दोनों व्यक्ति मीडिया कवरेज के बहाने मेडिकल कालेज को कवर करने हेतु सड़क के दूसरे तरफ खड़े थे। आशीष अपने जेब में काली पन्नी रखा था, काफिला निकलने के दौरान आशीष द्वारा उसी पन्नी को दिखाया गया। पुलिस द्वारा दोनों अभियुक्तों को मय बाइक और मोबाइल गिरफ्तार कर लिया गया है, अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। मौके पर ड्यूटी में तैनात 2 उपनिरीक्षक और पाँच आरक्षी को लापरवाही बरतने के कारण निलम्बित कर दिया गया है। निलम्बित पुलिसकर्मियों का विवरण– 1.उ0नि इंद्रजीत यादव 2.उ0नि0 मनोज पाण्डेय 3.का0 राजू चौहान 4.का0 सूरज सोनकर 5. का0 शेषनाथ चौहान 6.का0 अभिषेक यादव 7.का0 सुनील कुमार यादव 8.का0 जयराम।

जामिया हुसैनिया मदरसे से मिला अनमय मदद का भरोसा

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : शहर बेगमगंज मोहल्ले में इस्लामी शिक्षा के उच्च केन्द्र के रूप में प्रतिस्थापित जामिया हुसैनिया मदरसे में स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी टाइप वन नाम बिमारी से पीड़ित सुल्तानपुर के रहने वाले आठ माह के बच्चे अनमय को बचाने का अभियान विकास तिवारी व अतुल सिंह की अगुवाई में चलाया गया। वर्ष 1447 ई. से सतत् गतिमान जनपद जौनपुर के सबसे पुराने मदरसे के हास्टल में रहकर देश के कोने–कोने से आने वाले हजारो बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हैं। अनमय बचाओं अभियान केे सदस्यों का स्वागत मदरसे के मुख्य गेट पर संस्था के मुखिया मौलाना हाजी तौफीक द्वारा किया गया। अभियान के अगुवा विकास तिवारी ने मदरसे से जुड़े लोगों से कहा कि देश के कोने–कोने से आकर तालिम ग्रहण करने वाले छात्रों को यहा निशुल्क शिक्षा तथा रहने की व्यवस्था व भोजन दिया जाता है। हमारी यह कोशिश सतत् जारी है कि जनपद को मिला शिराज–ए–हिन्द का खिताब हमेशा बना रहे। तथा हमें गर्व भी है कि हमारे इस जनपद को विद्वानों का मरकज कहा जाता है। उन्होंने बताया कि अनमय बचाओं अभियान के तहत अब तक जौनपुर के प्रयासों से कुल 1 करोड़ 95 लाख के धन की व्यवस्था हो गयी है। बाकी के लिए हम निरन्तर सतत प्रयासरत है। और आज इसी क्रम में आपके बीच उपस्थित होकर अनमय के मदद हेतु गुहार लगा रहे है। कार्यक्रम के आयोजक द्वय अतुल सिंह ने बताया कि मदरसे के छात्रों के बीच अनमय बचाओं अभियान सुबह ग्यारह बजे से प्रारंभ होकर सायं चार बजे तक चलता रहा। कार्यक्रम समाप्त होने तक मदरसे के छात्रों व मुफ्तीयों ने मिलकर भारी मात्रा में धनराशि अनमय के उपचार के लिए प्रेषित किया। उक्त अवसर पर विकास तिवारी, अतुल सिंह, डॉ अब्बासी, अवनीन्द्र यादव, स्नेहिल यादव, अभय राज, रुद्रेश त्रिपाठी, निर्भय, आदर्श, आशीष राज आदि लोग उपस्थित रहे।

जनसंचार में रोजगार के लिए तकनीकी ज्ञान भाषा पर हो अच्छी पकड़– प्रो. अनिल उपाध्याय

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में शनिवार को जनसंचार के क्षेत्र में रोजगार के अवसर विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पत्रकारिता विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर अनिल कुमार उपाध्याय ने कहा कि तकनीकी ने जनसंचार और पत्रकारिता के क्षेत्र में अपार संभावनाओं को जन्म दिया है। इस क्षेत्र में रोजगार की तलाश करने वालों को आधुनिक तकनीक के साथ–साथ भाषा पर अच्छी पकड़ रखनी चाहिए। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व मुख्य संपादक अरुणेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि मीडिया के क्षेत्र में बहुत तेजी से बदलाव आ रहे हैं , कार्यदायित्व भी बदले हैं। संस्थानों द्वारा मल्टी स्किल लोगों की मांग की जा रही है। वैश्विक घटनाओं पर न्यूज के साथ–साथ व्यूज भी विकसित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रिपोर्टिंग की तकनीकी में भी परिवर्तन आया है तथ्यों के साथ साथ

उसके प्रस्तुतीकरण का भी ध्यान देना होगा। डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या के पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष डॉ विजेंद्र चतुर्वेदी ने कहा कि इंटरनेट ने रोजगार की अपार संभावनाएं विकसित की है। आज यूट्यूब और सोशल मीडिया आय के स्रोत हो गए हैं। इनकी बारीकियों को समझना होगा। जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र ने अतिथियों का स्वागत एवं संचालन डॉ दिग्विजय सिंह राठौर ने किया। इस अवसर पर डॉ सुनील कुमार, डॉ अवध बिहारी सिंह, डॉक्टर चंदन सिंह, समेत विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चोरी का खुलासा जल्द नहीं हुआ तो विरोध प्रदर्शन को होंगे बाध्य – शुभ सेठ

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : बीते सोमवार की रात मुन्ना अलंकार मंदिर देवकली हुई भीषण चोरी में दो लाख नगदी समेत लगभग पच्चीस लाख के आभूषण चोर उठा ले गए थे घटना के पांच दिन बीच जाने के बाद भी खुलासा करने में पुलिस असफल रही है चोरी का खुलासा न होने पर शनिवार की सुबह सर्राफा व्यापारियों फूटा गुस्सा तो सैकड़ों की संख्या में उपजिलाधिकारी माज अख्तर व प्रभारी निरीक्षक संजय वर्मा को पत्रक सौप चोरी की खुलासे की बात को कही।बता दे कि मुन्ना अलंकार मंदिर के प्रोपराइटर विनोद सेठ कस्बा केराकत मुहल्ला नालापार के निवासी है।वही मीडिया से बात करते हुए सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष शुभ सेठ ने बताया कि हम लोगो ने उपजिलाधिकारी व प्रभारी निरीक्षक से पत्रक के माध्यम से बताया गया कि चोरी की जांच एसओजी गठित कर जल्द

से जल्द खुलासा कराया जाय नही तो हम सभी विरोध प्रदर्शन को बाध्य होंगे क्योंकि चोरी को लेकर व्यापारियों में भरी रोष व्याप्त हैंऔर अगर जरूरत पड़ी तो उच्चाधिकारियों तक भी पहुंचेंगे।इस अवसर पर पप्पू सेठ . निहाल सेठ. वीरू सेठ. संतोष कुमार सेठ. भानु सेठ. आनंद सेठ. सुनील सेठ पूल्लू. आशीष सेठ विक्की. राकेश सेठ सुनील सेठ संजय सेठ मनोज कमलापुरी न. पा. अध्यक्ष विजय गुप्ता. अजित गुप्ता. विनोद सेठ प्रमोद सेठ. बबलू सेठ. नीरज सेठ अजय जायसवाल समेत सैकड़ों की संख्या में सर्राफा व्यापारी उपस्थित रहे।

जेसीआई जौनपुर नगर की अग्रणी संस्था – माया टंडन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जेसीआई जौनपुर के ऊर्जावान अध्यक्ष डॉ संदीप पांडेय के नेतृत्व में सप्ताह चेयरमैन दिलीप सिंह और सदस्यों के सम्मिलित प्रयासों के द्वारा समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के उद्देश्य से मनाए जाने वाले जेसीआई सप्ताह का उद्घाटन नगर पालिका परिसर में कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती माया टंडन के द्वारा फीता काटकर किया गया। सर्वप्रथम सभी सदस्यों ने बुके देकर उनका स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और जेसीआई संस्था सदैव इसके लिए तत्पर रहती है उन्होंने लगातार 7 दिनों तक मनाए जाने वाले इस जेसीआई सप्ताह के कार्यक्रमों की भी सराहना की। पूर्व मंडल अध्यक्ष राधे रमण जयसवाल ने कहा कि यद्यपि जेसीआई वर्ष भर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम करती है परंतु इस जेसीआई सप्ताह में लगातार 7 दिन तक हम विभिन्न प्रकार के सामाजिक जागरूकता के कार्यक्रम करते हैं । मंडल उपाध्यक्ष गौरव सेठ ने बताया कि इस सप्ताह में वृद्ध आश्रम में भोजन, ब्लड डोनेशन, डेंगू मलेरिया से बचाव के लिए जागरुकता इत्यादि विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम जेसी आई संस्था करेगी। उद्घाटन समारोह के दिवस प्रभारी पूर्व अध्यक्ष कृष्ण कुमार जयसवाल ने कहा कि जेसीआई संस्था विश्व के लगभग 165 देशों में युवाओं के निर्माण का कार्य करती है। पूर्व अध्यक्ष

धर्मेंद्र सेठ, राकेश जायसवाल तथा शशांक सिंह रानू ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यह जेसीआई सप्ताह ऐतिहासिक होगा । कार्यक्रम के अंत में सप्ताह चेयरमैन और सभी सदस्यों ने मिलकर मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न दिया। इस कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष श्री राकेश श्रीवास्तव नीरज श्रीवास्तव ,प्रदीप सिंह ,सर्वेश जयसवाल ,डॉ आनंद प्रकाश ,रमेश श्रीवास्तव ,विशाल तिवारी, राजकुमार जयसवाल ,रतन सीकरी, आकाश केसरवानी ,रितुल पाठक ,अतुल जायसवाल ,अजय गुप्ता, दिलीप जायसवाल, हफीज शाह ,रामकृपाल जयसवाल आदि उपस्थित रहे ।इस समारोह का सुंदर संचालन सचिव प्रदीप जयसवाल ने किया तथा सप्ताह को चेयरमैन सौरभ बरनवाल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुर्दों के खातों में भेजी गई करोड़ों की किसान सम्मान निधि की होगी रिकवरी – उप निदेशक कृषि

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) सूत्र के मुताबिक जिले में किसान सम्मान निधि को लेकर जिले में एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है।आंकड़ों के मुताबिक करीब 7352 मृत किसान पीएम सम्मान निधि ा ले रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार एक दिसंबर 2018 से शुरू हुई इस योजना में अब तक 11 बार दो–दो हजार रुपये कुल 16 करोड़ 17 लाख 44 हजार रुपये इन किसानों के खाते जा चुके हैं। लगातार हो चल रहे सत्यापन में इसका खुलासा होने के बाद कृषि विभाग अब मुर्दों की दी गई राशि की वसूली करने की तैयारी में है। जिले में कुल 375818 किसान हैं।सम्मान निधि में फर्जीवाड़े की शिकायतों के बाद अब तक हुए सत्यापन के बाद जो तस्वीर सामने आई वो चौंकाने वाली है।इस सत्यापन के अनुसार करीब 7352 ऐसे किसान हैं जिनकी एक या दो किश्त के बाद मौत हो गई।इसके बाद भी उनके खाते में किसान सम्मान राशि भेजी जा रही है। वही आंकड़ों के मुताबिक सदर तहसील में 870, रुदौली में 1861, बीकापुर में 1725, मिल्कीपुर में 1361 व सोहावल में 1535 किसान मृत हो चुके हैं।कृषि विभाग द्वारा कराए गए भूलेख सत्यापन में यह आंकड़ा सामने आया है।हालांकि अभी तक केवल 74.14 फीसदी 278782 किसानों का ही सत्यापन का कार्य हुआ है। अभी भी 97036 किसानों का सत्यापन बाकी है। ऐसे में शत प्रतिशत सत्यापन की रिपोर्ट सामने आने पर और भी चौंकाने वाले आंकड़े सामने आ सकते हैं।इस योजना का लाभ भूमिहीन किसान भी उठा रहे हैं। जबकि नियम के मुताबिक भूमिहीन इस योजना के लिए पात्र ही नहीं हैं।आंकड़े के मुताबिक जिले में

कुल 8350 भूमिहीन किसान चिह्नित किए गए हैं।जो पात्र न होते हुए भी योजना का लाभ उठा रहे हैं। जानकारी के अनुसार तहसील सदर में 2427, रुदौली में 1095, बीकापुर में 3817, मिल्कीपुर में 687 व सोहावल में 324 किसान हैं ऐसे हैं जो भूमिहीन होने के बावजूद किसान सम्मान निधि की राशि डकार रहे हैं।पीएम किसान सम्मान निधि योजना की शुरूआत एक दिसंबर 2018 को गई थी। यह योजना किसानों की आय बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई थी। इस योजना के तहत किसानों को हर साल छह हजार रुपये दिए जाते हैं।ये राशि किसानों के खाते में हर चार महीने के अंतराल में दो–दो हजार रुपये भेजी जाती है।जिले में अब तक किसानों को किसान सम्मान निधि की 11 किस्त दी जा चुकी हैं। वही सूत्र के मुताबिक जिले में मृतक किसानों की संख्या सदर में 870,रुदौली में 1861,बीकापुर में 1725, मिल्कीपुर में 1361 व सोहावल मे 1535 है। इस संबंध में उप निदेशक कृषि डाक्टर एस के पाठक ने बताया कि अभी भूलेख सत्यापन का काम चल रहा है। जिन किसानों को मृत्यु के बाद किसान सम्मान निधि की किस्त गई है। उसको वापस कराया जाएगा। मृत किसान के परिजनों को वरासत होने के बाद उन्हें भी किसान सम्मान निधि का लाभ दिया जाएगा। उनसे हर हाल में रिकवरी कराई जाएगी।

छत्तीसगढ़ प्रांत के बिलासपुर की महिला को पुलिस ने परिजनों से मिलाकर किया सराहनीय कार्य

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिले में थाना रौनाही पुलिस ने छत्तीसगढ़ प्रांत के जिला बिलासपुर से लापता मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला को ढूंढ कर उसके परिजनों के सुपुर्दगी में कर सराहनीय कार्य किया।रौनाही पुलिस के इस कार्यशैली को लेकर महिला के परिजनों व आसपास के लोगो ने पुलिस की सराहना की है। सूत्र के मुताबिक बीते 6 सितंबर को मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला को रौनाही थाना क्षेत्र के ग्राम ललकी पांडेय का पुरवा के मजरे पंडितपुर में देखा गया। इसके बाद ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उक्त महिला को थाने पर लाकर पूछताछ किया। तो महिला ने अपना नाम रंजन भानु पत्नी बिरशू, अंधियारखोर जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ बताया। इसके बाद रौनाही पुलिस के काफी प्रयास के बाद थाना पैंडरा से दूरभाष के जरिए संपर्क किया गया। तो महिला के पति बिरशू संपर्क में आए। इसके बाद उनकी पत्नी के मिलने के बारे में पुलिस ने पूरी जानकारी दी। इसके बाद मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला के परिजन रौनाही थाने पर पहुंचे और पुलिस ने महिला रंजन भानु को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। महिला को पाकर परिजन काफी प्रसन्नचित्त दिखे और रौनाही पुलिस की भूर भूर प्रशंसा की। पूछे जाने पर एसआई अश्वनी प्रताप सिंह ने बताया कि कांस्टेबल श्याम सुंदर अनूप चौधरी महिला कांस्टेबल बंदना कुमारी के साथ क्षेत्र भ्रमण पर निकला था। सूचना मिलने के बाद महिला को थाने ले आया और पूछताछ के बाद घर के पते पर सूचना देकर महिला को परिजनों को सुपुर्द किया गया। उन्होने बताया कि महिला के साथ उन्होंने बताया कि महिला के साथ कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है।

खाद्यान्न की कालाबाजारी करने वाले कोटेदार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) जिले के सोहावल तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोटसराय के कोटेदार सहित वाहन चालक/वाहन स्वामी के विरुद्ध सरकारी खाद्यान्न की कालाबाजारी करने के आरोप में रौनाही थाने पर मुकदमा दर्ज किया गया है। सूत्र के मुताबिक उक्त कोटेदार पर आरोप है कि गत दिनों एक निजी वाहन पर 28 बोरी चावल जो कि सरकारी खाद्यान्न के रूप में लदा देख ग्रामीण भड़क उठे और कालाबजारी की आशंका के तहत खाद्यान्न से लदे वाहन को लाकर रौनाही थाने पर खड़ी कर आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाई की मांग किया। इसके बाद ग्राम प्रधान चंद्रभान भाष्कर व ग्रामीण जगप्रसाद, रवि सिंह, शंकर जीत, जयकिशन, मनोज ,सूर्यकुमार यादव आदि की लिखित तहरीर पर कोटसराय के कोटेदार गिरजाशंकर विश्वकर्मा और वाहन चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की कार्यवाही गई। ग्रामीणों का आरोप था कि गरीबो को मिलने वाले सरकारी गल्ले को अक्सर कार्डधारको को न देकर खुले बाजार में काला बाजारी कर बेच दिया जाता है। ग्रामीणों ने कहा कि पेट्रोल पंप के पास चावल लाद कर जा रहे वाहन को पकडा जाना इसी कड़ी का हिस्सा है। इसके बाद पूरा प्रकरण एसडीएम सोहावल मनोज श्रीवास्तव ने गंभीरता से लिया और एसडीएम ,पूर्ति निरीक्षक सोहावल विनोद यादव,तहसीलदार पवन कुमार गुप्ता की निगरानी में चली जांच प्रक्रिया में पाया गया कि वाहन पर पकड़ा गया अनाज कोटसराय में स्थिति सरकारी राशन की दुकान का है। इसके बाद कोटेदार गिरजा शंकर विश्वकर्मा और वाहन चालक/वाहन स्वामी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज आगे की कार्यवाई शुरू की गई है। इस संबंध मे पूर्ति निरीक्षक विनोद यादव ने बताया कि जांच में कोटेदार के गोदाम में गेंहू और चावल मिलाकर कुल तिरपन कुंतल खाद्यान्न कम पाया गया है।उन्होंने बताया कि आरोपी कोटेदार और वाहन चालक के विरुद्ध कालाबजारी का मुकदमा दर्जकर आगे की प्रक्रिया शुरू की गई है।

बच्चा चोरी की फर्जी अफवाह फैलाने पर होगी कार्यवाही

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) जिले के थाना प्रभारी रौनाही अक्षय कुमार ने क्षेत्र की जनता से अपील करते हुए अपील किया है कि बच्चा चोरी की घटनाओं पर फर्जी अफवाह न फैलाएं। उन्होंने कहा कि झूठी अफवाह फैला कर अपरचित के साथ मारपीट करना विधि विरुद्ध है। थाना प्रभारी ने बताया कि क्षेत्र में बड़ागांव, पण्डितपुर, मुबारकगंज गांव में कुछ लोगों को ग्रामवासियों ने बच्चा चोर बताकर उनके साथ मारपीट की है। लेकिन जब पुलिस ने जांच पड़ताल की तो घटना फर्जी निकली।उन्होंने कहा कि अगर कही कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई पड़े। तो उसके साथ मारपीट न करके इसकी सूचना पुलिस को दे। थाना प्रभारी ने फर्जी अफवाह फैलाने वालों को सचेत करते हुए चेतावनी दिया है कि अगर सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से कोई फर्जी अफवाह फैलाते पाया गया तो उसके ऊपर कठोर कार्यवाही की जाएगी।

जिले के प्रसिद्ध चिकित्सक डा.वीरेंद्र सिंह की माता की मृत्यु पर जनौस के पूर्व प्रदेश महासचिव सत्यभान सिंह जनवादी व उनकी टीम ने दी श्रद्धांजलि

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) भारत की जनवादी नौजवान सभा के पूर्व प्रदेश महासचिव व समाजसेवी सत्यभान सिंह जनवादी ने जिले के जाने माने चिकित्सक डाक्टर वीरेन्द्र सिंह की 95 वर्षीय माता जी वद्द दादी का लंबी बीमारी के बाद निधन पर उनके आवास पर जाकर गहरा शोक प्रकट करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि डाक्टर वीरेंद्र सिंह की माता जी और हमारी दादी बहुत ही जुझारू व सामाजिक महिला थी।दूसरों के दुःख को अपना दुःख समझकर सबके मौके पर जाकर उनको हौसला देना उनकी खासियत रही।उनके निधन से पूरा जनवादी परिवार शोक व्यक्त करता है। इस मौके पर उन्होंने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि डाक्टर वीरेंद्र सिंह की माता की माता व उनकी दादी के जाने से परिवार को अपूर्णीय क्षति पहुंची है जिसको भर पाना मुश्किल है। दादी ने उनके परिवार में 6 बेटे 3 बेटियां है।जिसमे बड़े बेटे डाक्टर वीरेंद्र सिंह है।दादी अपने बड़े बेटे डाक्टर वीरेंद्र सिंह के यहां ही अंतिम सांस लिया।पूरे परिवार को इस दुःख की घड़ी में हिम्मत मिले।दादी ने अपने पीछे बड़ा परिवार छोड़कर गई है।आज उनका अंतिम संस्कार जमथरा में उनके बड़े बेटे डाक्टर वीरेद्र सिंह ने मुखाग्नि देकर किया।जनवादी नौजवान सभा के राज्य कमेटी सदस्य बालकिशन यादव,मंडल प्रभारी कॉम विनोद सिंह,जिलाध्यक्ष धीरज द्विवेदी,अतुल वर्मा,जिला प्रभारी विश्वजीत सिंह राजू,रेशमा बानो,सुशीला,पल्लन,माकपा नगर सचिव कॉमरेड रामजी तिवारी,अखिलेश सिंह,आलोक तिवारी,जनवादी महिला समिति की सचिव मालती तिवारी,अध्यक्ष अनीता यादव, व नन्द कान्वेंट के प्रबंधक राजेश नन्द ने विनम्र श्रद्धाजलि अर्पित किया।

शौच गए अधेड़ का खेत के पास मिला शव : पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिले के कुमारगंज थाना अंतर्गत पुलिस चौकी चिलबिली अंतर्गत गोकुला गांव निवासी अधेड़ रामलौट मौर्या की शनिवार की भोर खेत के पास संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के गोकुला गांव निवासी रामलौट मौर्य पुत्र राम अभिलाख मौर्य उम्र लगभग 52 वर्ष आज भोर में शौच के लिए अपने खेत की ओर गया हुआ था। वहां पर उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की जानकारी सुबह तब हुई जब गांव की महिलाएं शौच के लिए जा रही थी। अचानक उनकी निगाह मृत अधेड़ पर पड़ी तो वह गांव आकर बताई कि राम अभिलाष के खेत के पास कोई मृत पड़ा हुआ है। ऐसी जानकारी मिलते ही गांव के , बड़ी संख्या में महिला व पुरुष मौके पर पहुंच गए।थोड़ी ही देर में मृतक अधेड़ रामलौट के परिजन भी रोते बिलखते मौके पर पहुंच गए। इस घटना की जानकारी पुलिस चौकी प्रभारी चिलबिली व थाना कुमारगंज पुलिस को दी। सूचना पर थानाध्यक्ष कुमारगंज विवेक सिंह, चौकी प्रभारी शशांक शुक्ला, हेड कांस्टेबल उदय राज यादव ,कांस्टेबल धर्मेंद्र कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी लेने के बाद मृतक अधेड़ रामलौट के शव का पंचायत नामा भराते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष विवेक सिंह ने बताया कि अधेड़ की मौत कैसे हुई है। इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

खेलकूद व कार्यदायी संस्था के कर्मियों के लापरवाही के चलते अभी तक नहीं पूरा हुआ निर्माणाधीन डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) शुक्रवार को सूबे के अपर मुख्य सचिव खेल–कूद डॉ. नवनीत सहगल ने जनपद के निर्माणाधीन डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम (डाभासेमर) का निरीक्षण किया। मालूम हो कि यह स्टेडियम वर्ष 2006 से निर्माणाधीन है।इसके निर्माण की शुरुआत वर्ष 2007 में प्रारंभ हुई थी।लेकिन खेलकूद व कार्यदायी संस्था के अधिकारियों द्वारा लापरवाही के कारण तथा तत्कालीन खेल एवं कूद विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण समय से पूरा नहीं हो सका,उसी क्रम में अपर मुख्य सचिव का आज भ्रमण था। भ्रमण के अवसर पर खेल विभाग के क्षेत्रीय एवं स्टेडियम के भी अधिकारी उपस्थित थे।श्री सहगल द्वारा स्टेडियम में साफ सफाई करने, बेहतर व्यवस्था करने, खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा देने तथा स्टेडियम की कमियों को दूर करने के निर्देश दिया तथा यह भी कहा कि खेल को और प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न प्रकार के खेल जैसे टेबुल टेनिस, क्रिकेट, हाकी आदि सभी प्रकार के खेलो को बढ़ावा देने का भी निर्देश दिया तथा जो कमी है उसको दूर करने हेतु मानक के अनुसार

बजट आवंटन करने का भी आश्वासन दिया। श्री सहगल द्वारा स्टेडियम में खिलाड़ियों से मुलाकात की तथा उनके साथ टेबल टेनिस भी खेलाउल्लेखनीय है कि पूर्व में मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारी द्वारा भी स्टेडियम का निरीक्षण किया गया था।इस मौके पर श्री सहगल ने उम्मीद जतायी कि अक्टूबर के अन्त में दीपोत्सव के समय इसके लोकार्पण करने की कार्यवाही की जायेगी।स्टेडियम में साफ–सफाई व्यवस्था न होने पर अधिकारियों को साफ–सफाई करने हेतु आदेशित किया। किसी भी अपर मुख्य सचिव अधिकारी के स्तर द्वारा यह पहला निरीक्षण है।

डीएम के आदेश पर आरोपी पवन पांडेय व अन्य पर पुलिस ने किया गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा दर्ज

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) अयोध्या जिलाधिकारी नितीश कुमार के आदेश पर पटरंगा पुलिस ने तीन अभियुक्तों के विरुद्ध उत्तर प्रदेश गिरोह बन्ध अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कर इस मामले में जांच शुरु कर दिया है। वही सूत्र के मुताबिक इस मुकदमें की विवेचना क्षेत्राधिकारी रुदौली संदीप कुमार सिंह ने शुरू कर दी है।यूपी गैंगस्टर एक्ट के दर्ज मुकदमे में पटरंगा पुलिस ने आरोप लगाया है कि पवन कुमार पांडे पुत्र राम लखन पांडे निवासी इंछोई थाना खंडासा एक शातिर किस्म का अपराधी है जिसका एक संगठित गिरोह है। शिव कुमार पांडे पुत्र राम लखन पांडे व आशीष कुमार पांडे पुत्र पवन कुमार पांडे निवासी इंछोई थाना खंडासा गिरोह के सदस्य है। गैंग लीडर अपने गैंग के सदस्यों के साथ मिलकर अपनी तथा अपने गैंग के सदस्यों के माध्यम से अब तक दर्जनों लोगों से आर्थिक, भौतिक एवं दुनियाबी लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से जालसाजी, धोखाधड़ी, कूट रचना, षड़यंत्र करके पैसे की मांग करना मारपीट, गाली–गलौज एवं जानमाल की धमकी देना फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी देने के अलावा महिलाओं के अस्मत व अस्मिता के साथ छेड़छाड़ करने जैसा जघन्य अपराध कारित करने में अभ्यस्त अपराधी हैं। फरवरी 2020 को गैंग के लीडर पवन कुमार पांडे पर सरकारी वकील बनाने के नाम पर एक महिला से तीन लाख रूपये लेने और दो बार दुष्कर्म करने का प्रयास करने का मुकदमा पंजीकृत है।जिसमें खण्डासा पुलिस द्वारा न्यायालय में आरोप पत्र भी दाखिल किया गया है।फरवरी 2021 को पटरंगा पुलिस द्वारा उक्त महिला के आरोप के अनुसार कचहरी से वापस जाते समय बयान न देने के लिए धमकाये जाने पर गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया , जिसमें भी पटरंगा पुलिस द्वारा आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है। दिसंबर 2019 में महात्मा गांधी चौराहा अमानीगंज निवासी ओम प्रकाश मिश्र ने आरोप लगाया है कि पवन कुमार पांडे द्वारा सरकारी नौकरी दिलाये जाने के नाम पर पैसा हड़प लिया एवं फर्जी नियुक्ति पत्र दे दिया तथा धन वापस मांगने पर जानमाल की धमकी दी । खंडासा पुलिस द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध धोखाधड़ी एवं कूट रचना की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर आरोप पत्र दाखिल किया गया है। 26 दिसंबर 2019 को खंडासा थाना क्षेत्र के रामनगर अमावासूफी निवासी अवधेश कुमार शुक्ला ने रंगदारी मांगने और जानमाल की धमकी देने का मुकदमा पंजीकृत कराया गया जिसमें खंडासा पुलिस द्वारा धोखाधड़ी कूटरचना व रंगदारी मांगने की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर मामले में न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है। मुकदमों में दाखिल आरोप पत्र के आधार पर पटरंगा थाने के प्रभारी निरीक्षक शिव बालक ने जिलाधिकारी अयोध्या की अनुमति के बाद अभियुक्तों में पवन कुमार पांडे गैंग लीडर व गैंग सदस्य शिव कुमार पांडे, आशीष कुमार पांडे निवासी इंछोई थाना खंडासा के विरुद्ध उत्तर प्रदेश गिरोह बंद अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कराकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। क्षेत्राधिकारी रुदौली संदीप कुमार सिंह ने मुकदमे की विवेचना शुरू कर दी है।

34 वाहिनी पीएसी वाराणसी में प्रचलित उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक फुटबॉल प्रतियोगिता के चौथे दिन सभी टीमों ने किया जोरदार प्रदर्शन

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी मीडिया सेल के मुताबिक इस परिसर के फुटबॉल ग्राउंड में खेले जा रहे उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक फुटबॉल प्रतियोगिता चौथे दिन सभी टीमों द्वारा जोरदार प्रदर्शन किया गया। आज के मुकाबले में विभिन्न 13 जोन की टीमों के बीच क्वार्टर फाइनल एवं सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए।जिसमें महिला संवर्ग में कानपुर और बरेली जोन के बीच हुए मुकाबले में बरेली जोन ने कानपुर जोन से एक गोल अधिक जागते हुए फाइनल मुकाबले में अपनी जगह बनाई,जबकि गोरखपुर जोन और आगरा जोन के बीच हुए मुकाबले में गोरखपुर जोन ने आगरा जोन को 2–0 से मात दी और फाइनल में अपना स्थान फिक्स किया।इसी तरह पुरुष संवर्ग में हुए क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में गोरखपुर जोन नें पीएसी पश्चिमी जोन को 4–0 से, बरेली जोन नें कानपुर जोन को 4–0 से गोल दागते हुए पटखनी दी जबकि पीएसी मध्य जोन व पीएसी पूर्वी जोन एवं वाराणसी जोन एवं प्रयागराज जोन के मध्य हुए मुकाबलों में दोनों टीमों द्वारा बराबर के गोल किए गए।उत्तर प्रदेश

पुलिस की इस वार्षिक फुटबॉल महा मुकाबलों में विभिन्न 13 जोनों की टीमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए महिला संवर्ग में गोरखपुर जोन एवं बरेली जोन ने अन्य टीमों को पछाड़ते हुए फाइनल में अपनी जगह बनाई जबकि पुरुष संवर्ग में गोरखपुर जोन एवं पीएसी मध्य जोन की टीम ने फाइनल मुकाबले हेतु अपना दावा पेश किया।इस मौके पर खेल सह आयोजन सचिव डॉ राजीव नारायण मिश्र 'आईपीएस' सेनानायक 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी द्वारा फाइनल मुकाबले हेतु अपना दावा पेश करने वाली टीमों और टीम मैनेजर्स को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

शोध परियोजनाओं से गुणवत्तायुक्त फसल की होगी पैदावार – डाक्टर आशीष कुमार श्रीवास्तव

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय धान अनुसंधान केंद्र द्वारा पोषित परियोजनाओं के शोध कार्यों का अवलोकन किया गया।विश्वविद्यालय पहुंचे अंतरराष्ट्रीय धान अनुसंधान केंद्र वाराणसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ आशीष कुमार श्रीवास्तव एवं फसल कार्यकी विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा अनुसंधान फॉर्म पर अवलोकन किया गया। इस मौके पर अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि कहीं कम व अधिक वर्षा से जलभराव के कारण किसान परेशान रहते हैं, इस समस्या को विश्वविद्यालय के साथ मिलकर जल्द दूर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को गुणवत्तायुक्त प्रजातियों के खाद्यान व तकनीक हेतु प्रयास किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कई शोध परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है जो उच्च गुणवत्तायुक्त फसलों के उत्पादन में मदद करेगा।वही इसी कड़ी में डा. आशीष ने विभाग में चल रही परियोजना सेंटर फॉर एक्सीलेंस के शोध कार्यों का भी अवलोकन किया और कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कुलपति डा बिजेंद्र सिंह व मुख्य अन्वेषक के मार्गदर्शन में हो रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आने वाले समय में इस सेंटर से पूर्वांचल के किसानों

को धान की उच्च कोटि की प्रजातियां मिलेंगी। इस दौरान फसल कार्यकी विभाग के वैज्ञानिक डॉ आलोक सिंह द्वारा परियोजनाओं के प्रगति एवं उनके विभिन्न कार्यों के साथ साथ परियोजना द्वारा किसानों के बीच किए जाने वाले कार्यों से अवगत कराया गया।इस इस मौके पर फसल कार्यकी विभाग के वैज्ञानिक डॉक्टर रामकल्प यादव, डॉ आनंद कुमार पांडेय, डॉ. सुमंत कुमार सिंह व अंकित सिंह सहित आदि लोग मौजूद थे।

महिला की हत्या के आरोप में पति सास व ससुर गिरफ्तार करने का पुलिस ने किया दावा

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)जिले के पटरंगा थाना क्षेत्र में पांच दिन पूर्व हुई विवाहित की रहस्यमई मौत की गुत्थी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सुलझ गई है। पुलिस ने मामले में मृतका के पति, सास व ससुर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की तो पता चला कि बच्चा न होने कारण ही महिला की हत्या की गई थी। पुलिस ने तीनों को जेल भेज दिया है।मामला पटरंगा थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव का हैं, जहां पर मंगलवार को विवाहिता स्मिता यादव का संदिग्ध परिस्थितियों शव मिला था, जिसके बाद मृतका के पिता रामशरण यादव ने हत्या की आशंका को लेकर पति, सास व ससुर के खिलाफ तहरीर दी थी।पटरंगा थाना के उपनिरीक्षक अरुण कुमार सिंह से बताया कि गिरफ्तार किए गए पति संदीप यादव, सास रामप्यारी एवं ससुर रामसेवक यादव ने बताया कि शादी के दो–तीन साल बीतने के बाद भी संतान की कोई उम्मीद न होने कारण हम लोगों न उसकी मुंह दबाकर हत्या की थी।

गांव में अजगर निकलने से फैली दहशत : देर से पहुंचे वन विभाग के कर्मचारी

बहराइच ब्यूरो : बहराइच जिले के खैरीघाट थाना क्षेत्र के सधुवापुर गांव में शनिवार की सुबह गांव के बाहर रोड पर एक अजगर दिखाई दिया। खेत में काम करने जा रहे ग्रामीणों ने जब उसे देखा तो सभी दहशत में आ गए। उन्होंने मामले की जानकारी वन विभाग को दी। वन विभाग को आने में देरी देख दिलीप पाण्डेय ने अजगर का रेस्क्यू किया और पास के जंगल में छोड़ दिया। शनिवार की सुबह गांव के कुछ लोग धान की देखभाल करने के लिए जा रहे थे। जैसे ही गांव से चंद कदम दूर पहुंचे ही थे कि अचानक एक बड़ा अजगर दिखाई दिया। जिसे देख कर ग्रामीण डर गए। अजगर निकलने की खबर गांव में आग की तरह फैल गई। देखते ही देखते वहां ग्रामीणों का जमावड़ा लग गया। ग्रामीणों की माने तो अजगर की लंबाई 8 फीट के करीब है। ग्रामीणों ने तत्काल मामले की सूचना वन

विभाग को दी। वन कर्मियों के पहुंचने में देरी देख पड़ोसी गांव के दिलीप पांण्डेय ने अजगर को रेस्क्यू किया और गांव से दूर जंगल में छोड़ दिया। जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।